न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

मनसा मण्डल वगैरह बनाम गौरपद मण्डल वगैरह

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
23-02-18	अभिलेख सं0–एम......16...../2018 धारा–107 द0प्र0सं0 थाना प्रभारी सोनाहातु राहे ओ0पी0 के अप्राथमिकी सं0–05/18 दिनांक–11/02/18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि जमीविवाद को लेकर उभय पक्ष में तनाव है। जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी। अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्ध द0प्र0सं0 की धारा–107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू0 का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय। अभिलेख तिथि ..16-03-18.. को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। 23/2/18 कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू।	
16-03-18	पीठासीन पदाधिकारी का पंचायत चुनाव कार्य में व्यस्त। दिनांक 02-04-18 को रखें।	

हेतु आगामी तिथि दिनांक 17-12-18 को रखें।

17-12-18 अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पक्ष क्रमांक 01, 02 उपस्थित अन्य अनुपस्थित द्वितीय पक्ष क्रमांक 02 उपस्थित अन्य ~~अनुप~~ अधिवक्ता हाजरी। प्रथम पक्ष मनसा मण्डल से परीक्षण एवं प्रति-परीक्षण लिया गया तथा गवाही से मुक्त किया गया। प्रथम पक्ष गवाही बन्द की जाती है। द्वितीय पक्ष गवाही हेतु दिनांक 18-01-19 को रखें।

18-01-19 अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पक्ष अधिवक्ता हाजरी द्वितीय पक्ष क्रमांक 02 उपस्थित अन्य अनुपस्थित

(9)

पृष्ठ सं०—

आदेश	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	
	उक्त वाद में 6 (छः) माह की अवधि पूर्ण हो चुकी है अर्थात वाद कालबाधित हो गया है। अतः वाद में अभिलेख की कारवाई बन्द की जाती है। ह० 18/7/19	

Digitally signed by AJAY KUMAR SAW
Date: 2021.08.16 14:07:58 +05:30
Location: 192.168.43.107